परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर द्वारा प्रदत्त चतुर्मासपश्चात्कालीन निर्देश

- विशेष निर्देश के सिवाय मेवाड़ में चतुर्मास करने वाले सभी सिंघाड़े वर्धमान महोत्सव (लावा सरदारगढ़) में सम्भागी बनें।

- मुनिश्री मुनि सुव्रतकुमारजी स्वामी मेवाड़ पहुंचे। मुनि जयकुमारजी, साध्वी चांदकुमारीजी, साध्वी सरोजकुमारी, साध्वी तिलकश्रीजी, साध्वी अमितप्रभाजी, साध्वी प्रमिलाकुमारीजी, साध्वी सम्यक्प्रभाजी और साध्वी काव्यलताजी दर्शन करें।

- मुनि श्री राकेशकुमारजी स्वामी राजस्थान की ओर, मुनि जिनेशकुमारजी राजस्थान की ओर, मुनि धर्मेशकुमारजी महाराष्ट्र की ओर, मुनि आलोककुमारजी मुम्बई की ओर, साध्वी भाग्यवतीजी (श्रीडूंगरगढ़) राजस्थान की ओर, साध्वी कैलाशवतीजी अजमेर सम्भाग की ओर, साध्वी चन्दनबालाजी पंजाब की ओर, साध्वी अशोकश्रीजी और साध्वी सत्यप्रभाजी गुजरात की ओर, साध्वी कुन्थुश्रीजी और साध्वी पीयूषप्रभाजी कर्णाटक की ओर, साध्वी कंचनप्रभाजी महाराष्ट्र की ओर, साध्वी कीर्तिलताजी आन्ध्रप्रदेश की ओर, साध्वी निर्वाणश्रीजी बंगाल की ओर, साध्वी संगीतश्रीजी तमिलनाडु की ओर तथा साध्वी कुन्दनरेखाजी पूर्वी उड़ीसा की ओर विहार करें।

- शेष सभी सिंघाड़े विशेष निर्देश के सिवाय अपने-अपने क्षेत्रों-चोखलों में विहार करें।

- सामान्यतया हिन्दुस्तान में विचरने वाले सभी समणीवर्ग विशेष निर्देश के सिवाय जनवरी के दूसरे सप्ताह में दर्शन करें।

- 2015 का मर्यादा महोत्सव कानपुर करने का भाव है।

- 2014 में पूर्वोंचल यात्रा की शुरूवात

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा

प्रधान कार्यालय–3,पोचुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता–700 001

दूरभाष : (033) 2235 7956 2234 3598 फैक्स : 2234 3666

संपर्क सूत्र–रतनलाल चोपड़ा – 9461122551

हेमन्त बैद – 9672996960

Email - campoffice13@gmail.com